संपादकीय

भाषा और समाज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के अवसर पर एक-देश, एक-भाषा की वकालत कर बेवजह का विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा बोली जाने वाली हिंदी ही देश को एकता की डोर में बांधने और विश्व में भारत की पहचान बनाने का काम कर सकती है। शाह सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष होने के साथ-साथ केंद्र सरकार के सर्वाधिक ताकतवर मंत्रियों में हैं, लिहाजा उनके बयान को केंद्र सरकार की मंशा की अभिव्यक्ति के रूप में लिया गया, नतीजतन दक्षिण के राज्यों से तत्काल इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगीं।

बंगाल भी पीछे नहीं रहा और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर आपत्ति जताई। विपक्षी दलों कांग्रेस और सीपीआई ने भी अमित शाह के बयान की आलोचना की। भारत जैसे बहुभाषिक देश में भाषा का मामला बेहद संवेदनशील रहा है। हमारे संविधान निर्माताओं को इसका अहसास था, इसलिए उन्होंने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा तो दिया लेकिन अंग्रेजी के उपयोग का भी प्रावधान रखा। इसके अलावा राज्यों को इस मामले में छूट दी।अनुच्छेद 346 और 347 में कहा गया है कि राज्य का विधान मंडल विधि द्वारा राज्य में प्रयोग की जाने वाली किसी भी एक या अधिक भाषाओं या हिंदी को राज्य में सभी या किसी भी राजकीय उद्देश्यों में उपयोग के लिए अपना सकता है। और जब तक कि राज्य का विधान मंडल कानून नहीं बना लेता, तब तक राज्य में ऐसे राजकीय उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी भाषा का उपयोग उसी प्रकार जारी रहेगा जैसा कि इस संविधान के लागू होने से पहले किया जा रहा था। जाहिर है यह व्यवस्था गैर हिंदी राज्यों की सुविधा और भावनाओं को देखकर की गई थी।

भारत में हिंदी की तरह अनेक भाषाएं हैं, जो बेहद समृद्ध हैं। संविधान ने भी 22 भाषाओं को मान्यता दी है। भाषा के साथ समाज अपना एक रिश्ता तय करता है। पिछले कुछ समय से भारतीयों ने अंग्रेजी को बढ़-चढ़कर अपनाया है क्योंकि यह रोजी-रोजगार और नई तकनीक की भाषा है। अंग्रेजी किसी सरकारी निर्देश से आगे नहीं बढ़ रही है। समाज ने उसकी जरूरत महसूस की इसलिए वह आगे बढ़ रही है। रही हिंदी की बात तो वह देश भर में एक मजबूत संपर्क भाषा के रूप में विकसित हुई है। बिना किसी हो-हंगामे के अहिंदीभाषी क्षेत्रों के लोग हिंदी सीख रहे हैं और इसका उपयोग भी कर रहे हैं।

आज देश में 52 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं। आंकड़े बताते हैं कि साल 2001 से 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों के समूह में 10 करोड़ नए लोग जुड़े हैं। ऐसा किसी सरकार के दबाव में या किसी राजनीतिक दल के अभियान से नहीं बल्कि आम लोगों के खुलेपन और सामान्य व्यावसायिक व शैक्षिक गतिविधियों की बदौलत संभव हुआ है। बेहतर होगा कि सियासी दल भाषा जैसे संवेदनशील मामले से दूर रहें और इस मामले में समाज को फैसला करने दें।

लगातार दूसरे दिन महंगे हुए पेट्रोल, डीजल, 24-27 पैसे लीटर बढ़े दाम

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के दाम मे फिर लगातार दूसरे दिन भारी वृद्धि हुई है। देश के प्रमुख महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम 24-27 पैसे प्रति लीटर बढ़ गए। सऊदी अरब के तेल संयंत्र पर बीते सप्ताह हुए हमले के बाद कच्चे तेल के दाम में आई जोरदार तेजी के कारण आने वाले दिनों पेट्रोल और डीजल के दाम में और वृद्धि की संभावना बनी हुई है। पेट्रोल बुधवार को दिल्ली और कोलकाता में 25 पैसे जबकि मुंबई में 26 पैसे और चेन्नई में 27 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। वहीं, डीजल के दाम में दिल्ली और कोलकाता में 24 पैसे

जबकि मुंबई और चेन्नई में 26 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है।

<>पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार दो दिनों में देश की राजधानी दिल्ली में 39 पैसे प्रति लीटर बढ़ गए हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि होने से आम उपभोक्ताओं पर फिर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ेगी क्योंकि तेल के दाम में इजाफा होने से वस्तु एवं सेवाओं के मूल्य पर इसका सीधा असर होता है।

इंडियन ऑयल की बेवसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 72.42 रुपये, 75.14 रुपये, 78.10 रुपये और 75.26 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी बढ़कर क्रमशः 65.82 रुपये, 68.23 रुपये, 69.04 रुपये और 69.57 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

<>सउदी अरामको के संयंत्र पर ड्रोन हमले के बाद सोमवार को बेंचमार्क कच्चा तेल बेंट्र करूड का भाव तकरीबन 20 फीसदी उछला, जोकि खाड़ी युद्ध के बाद सबसे बड़ी एक दिनी तेजी थी, हालांकि सत्र के आखिर में 14.61 फीसदी की बढ़त के साथ 69.02 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इसके बाद मंगलवार को सउदी अरब द्वारा जल्द तेल के उत्पादन की बहाली करने का दावा किए जाने पर ब्रेंट का भाव करीब सात फीसदी टूटा।

<>अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज यानी आईसीई पर बुधवार को ब्रेंट करूड के नवंबर डिलीवरी अनुबंध में 0.02 फीसदी की कमजोरी के साथ 64.53 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। वहीं, न्यूयार्क मर्केंटाइल एक्सचेंज यानी नायमैक्स पर अमेरिकी लाइट करूड डब्ल्यूटीआई के नवंबर डिलीवरी अनुबंध में 0.32 फीसदी की कमजोरी के साथ 58.91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था।

एंजेल ब्रोकिंग के करेंसी व ऊर्जा रिसर्च मामलों के विशेषज्ञ और डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि दुनिया की प्रमुख तेल उत्पादक कंपनी सऊदी अरामको के तेल उत्पादन केंद्रों पर पिछले सप्ताह हुए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में फौजी तनाव की स्थिति बनी हुई है, इसलिए तेल के दाम में फिलहाल कमी के आसार नहीं है, बल्कि वृद्धि की संभावना बनी हुई क्योंकि इस हमले से तेल की आपूर्ति बाधित हुई है।

कमजोर वैश्विक रुख से वायदा कारोबार में चांदी 334 रुपये फिसली

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के साथ प्रतिभागियों के सौदे घटाने से बुधवार को वायदा कारोबार में चांदी 334 रुपये टूटकर 47,027 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर महीने में डिलीवरी वाली चांदी 334 रुपये यानी 0.71 प्रतिशत फिसलकर 47,027 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इसमें 2,662 लॉट का कारोबार हुआ। इसी प्रकार , अगले साल मार्च में डिलीवरी वाली चांदी 290 रुपये यानी 0.6 प्रतिशत गिरकर 48,068 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इसमें 171 लॉट का कारोबार हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में , न्यूयॉर्क में चांदी 0.12 प्रतिशत गिरकर 18.02 डॉलर प्रति औंस पर रही।

इंडिगो के मुनाफे में भारी गिरावट

नई दिल्ली। देश में आटो इंडस्ट्री के साथ-साथ एविएशन इंडस्ट्री पर आर्थिक मंदी की मार पड़ी हुई है। बताया जाता है कई एयरलाइन कंपनियों को घाटे निरंतर घाटे का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एयरलाइन कंपनी इंडिगो के मुनाफे में करीब 150 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही में इंडिगो के मुनाफे में रिकॉर्ड 1,203 करोड़ रुपये का इजाफा जरूर हुआ है। हालांकि सुस्ती का सामना कर रही अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए वित्त मंत्रालय एक और बूस्टर डोज देने की तैयारी कर रहा है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा है कि साढ़े छह साल के निचले स्तर पर पहुंच चुकी आर्थिक विकास दर को पटरी पर लाने के लिए अगले उपायों का मसौदा तैयार है, जिसकी घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिनों में करेंगी। एयरलाइन विस्तारा को वित्त वर्ष 2018-19 में 800 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। इससे पहले के वित्त वर्ष में विस्तारा को 431 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। उधर, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने मंगलवार को कहा कि घरेलू ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में कोई मंदी नहीं है और इंडस्ट्री सरकार से पैकेज पाने के लिए केवल रोना रो रही हैं। ऑटो इंडस्ट्री में हाई जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) दरों, कृषि संकट, स्थिर मजदूरी और नकदी में कमी जैसी कई वजह बिक्री में गिरावट का कारण रही हैं।

वैसे इस साल अगस्त में लगातार 10वें महीने ऑटो कंपनियों के सेल्स में गिरावट दर्ज की गई। पिछले महीने ऑटो सेल्स 31.57 फीसदी फिसलकर 1,96,524 रह गई. पिछले साल अगस्त में कंपनियों ने 2,87,198 गाड़ियां बेची थीं।

ओपन से बाहर हुईं सायना नेहवाल

चांगझू। भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल बुधवार को यहां जारी चीन ओपन विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। सायना को महिला युगल वर्ग के पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबाम्रुंगफान के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

आठवीं सीड सायन को वर्ल्ड नंबर-8 बुसानन ने सीधे सेटों में 21-10, 21-17 से शिकस्त दी। दोनों खिलाड़ियों के बीच ओलम्पिक खेल केंद्र शिनचेंग जिमनेजियम में खेला गया यह मुकाबला केवल 44 मिनट तक चला।

सायन मुकाबले में शुरुआत से ही थाईलैंड के खिलाड़ी के सामने मुश्किल में नजर आई और अपनी लय पाने में कामयाब नहीं हो पाई।

इससे पहले, चीन ओपन में

सायना का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। 2014 में उन्होंने इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था और उसके अगले साल फाइनल में भी प्रवेश किया था।

सरकार ने एलईडी में लगने वाले टीवी पैनल पर 5 प्रतिशत आयात शुल्क को हटाया

नई दिल्ली। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ओपन सेल टीवी पैनल के आयात पर पांच प्रतिशत के सीमा शुल्क को हटा लिया है। अब ओपन सेल टीवी पैनल पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। इन पैनल का उपयोग एलईटी और एलसीडी टीवी बनाने में होता है। सरकार के इस कदम से टीवी पैनल की कीमत में करीब तीन प्रतिशत तक की कमी आएगी। ओपन सेल पैनल , टेलीविजन विनिर्माण का एक अहम हिस्सा है। इसका टीवी सेट की लागत में आधा से ज्यादा हिस्सा है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार देर रात अधिसूचना में कहा ,एलसीडी और एलईडी टीवी के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल टीवी पैनल (15.6 इंच और उससे ऊपर) पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

इसके अलावा , सरकार ने चिप ऑन फिल्म , प्रिंटेड सर्किट बोर्ड एसेंबली (पीसीबीए) और सेल (ग्लास बोर्ड / सब्सट्रेट) के आयात पर लगे सीमा शुल्क को भी हटा लिया है। ये सामान ओपन सेल टीवी पैनल बनाने में उपयोग किए जाते हैं। सरकार ने 30 जून 2017 को पैनल के आयात पर पांच प्रतिशत का सीमा शुल्क लगाया था। कई टीवी निर्माता कंपनियों समेत कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एप्लाइंसेस मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन ने इस कदम का विरोध किया था और इसे हटाने की मांग की थी।

गांगुली ने विराट को दी अहम सलाह- ज्यादा दूर की मत सोचो

नई दिल्ली । दुनिया भर की टीमें अब अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप तैयारियां कर रही हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही मौजूदा टी20 सीरीज को भी दोनों टीमों की इसी तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है। दोनों ही टीमें अपने मिशन टी20 वर्ल्ड कप के लिए युवा चेहरों पर भरोसा दिखा रही हैं। टीम इंडिया ने वनडे वर्ल्ड कप 2019 के बाद ही वेस्ट इंडीज दौरे से ही अपनी टीम में युवा चेहरों को मौका दिया है। लेकिन पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने टीम इंडिया और कप्तान विराट कोहली को खास सलाह दी है। गांगुली के मुताबिक टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं को अभी से अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप पर नहीं सोचना चाहिए।

भारत के लिए सबसे जरूरी चीज अभी यह है कि वह अगले साल होने वाले वर्ल्ड टी20 की ओर अभी न देखे। पिछले वर्ल्ड कप से पहले ही इस पर काफी शोर था और कभी-कभी यह सही नहीं होता। टीम इंडिया अभी बस इतना ही करने की जरूरत है कि वह अपने बेस्ट संभावित खिलाड़ियों को चुने और उन्हें प्रदर्शन करने का भरपूर मौका दे, जैसा कि घरेलू सक्रिट में हमारे पास कई शानदार टैलंट मौजूद है।

दादा ने बताया, विराट, रोहित, शिखर, हार्दिक और जडेजा पहले ही अपनी काबिलियत बता चुके हैं और अब युवा खिलाड़ियों को आगे आकर अपने प्रदर्शन को अगले स्तर पर ले जाने की जरूरत है। बोलिंग विभाग में कुछ शानदार खिलाड़ी है। खलील अहमद, दीपक चाहर, नवदीप सैनी दमदार दिखते हैं और टीम इंडिया को चाहिए कि वह उनका बेहतर ढंग से ख्याल रखे ताकि बुमराह की तरह वे भी अपने आप को विकसित कर पाएं।

गांगुली ने भरोसा जताया कि ये खिलाड़ी समय के साथ-साथ मच्योर होंगे और

बुमराह, भुवी और शमी को अपना रोल मॉडल बनाएंगे। यह भारत की फास्ट बोलिंग के लिए अच्छे संकेत होंगे। इसके अलावा स्पिन डिपार्टमेंट में राहुल चाहर, वॉशिंग्टन सुंदर, कुलदीप और चहल के होने से भी हर किसी को टीम की काबिलियत पर भरोसा है।

आज का राशिफल

मेषः- बेवजह झगड़े की संभावना है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न हो सकती है। रोजमर्रा के कामों में रुकावट हो सकती है।

वृषः- शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थता महसूस करेंगे। व्यावसायिक तथा सामाजिक क्षेत्र में यश प्राप्त होने की संभावना है। प्रतिस्पर्धी पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

मिथुनः- दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। कोई बड़ा कार्य करने का मन बनेगा।

कर्कः- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। समय मनोरंजक व्यतीत होगा। घर से बाहर यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि हो सकती है।

सिंहः- किसी पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्याः- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य साधारणतया अच्छा रहेगा। किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार के साथ जीवन सुखमय व्यतीत होगा।

तुलाः- परिवार के सदस्यों तथा पार्टनरों के साथ किसी कार्य के बारे में योजना बनेगी। किसी प्रबुद्ध व प्रभावशाली व्यक्ति से सहायता तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिकः- किसी तीर्थदर्शन का कार्यक्रम बन सकता है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के सदस्यों के बारे में चिंता हो सकती है। नौकरी में चैन रहेगा।

धनुः- स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यर्थ समय व्यतीत होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। बेवजह विवाद से बचें। किसी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मकरः- प्रेम-प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेंगे। घर से बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। किसी बड़े व वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से रुके काम बनेंगे।

कुंभः- किसी स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे से बड़ा लाभ होने के योग हैं। प्रयास भरपूर करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पारिवारिक सहयोग से प्रसन्नता में वृद्धि होगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीनः- जल्दबाजी से हानि की संभावना है। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। कोई बड़ी समस्या हो सकती है। पार्टी व पिकनिक का आनंद मनपसंद भोजन के साथ प्राप्त होगा।

सूजी के सपंजी रसगुल्ले बनाने की विधि...

आवश्यक सामग्री

1 सूजी, 2 बड़ा चम्मच देसी घी, 1 बड़ी कटोरी दूध, 3 बड़ी चम्मच चीनी, आधा कप बारीक कटे ड्राई-फ्रूट्स, पानी जरूरत के अनुसार, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा पिस्ता, चुटकीभर केसर

बनाने की विधि

मीडियम आंच में एक पैन में दूध और चीनी डालकर उबालने के लिए रखें। धीरे-धीरे कड़छी से चलाते हुए सूजी डालें ताकि कोई गांठ न पड़े।कड़छी से लगातार चलाते रहें जब तक सूजी पूरी तरह से गाढ़ी न हो जाए। सूजी के ठोस होते ही आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने के लिए रख दें।

सूजी के ठंडे होते ही इसे हथेलियों से बीच रखकर हल्का सा चपटा कर लें। हथेलियों पर घी लगाकर इसे चिकना जरूर कर लें। अब सूजी के बीचों-बीच ड्राई-फ्रूट्स भरें और गोलाकार देते हुए रसगुल्ले बना लें।मीडियम आंच में एक पैन में चीनी और पानी डालकर चाशनी तैयार कर लें। चाशनी के तैयार होते ही रसगुल्लों को चाशनी में डालें और ढककर 2 से 3 मिनट तक पकाएं।

तय समय के बाद आंच बंद कर दें। तैयार है सूजी के रसगुल्ले. बारीक कटे पिस्ते और चुटकीभर केसर से गार्निश कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 90

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

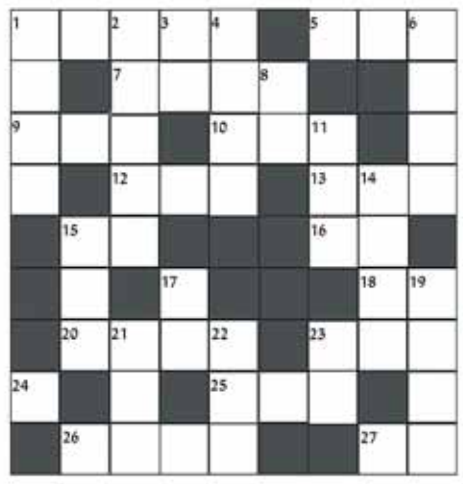

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		वे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

सू-दोकू- 90

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6